॥ वन्देमातरम् ॥

संस्कार

सहयोग सेवा

सम्पर्क समर्पण

तमसो मा ज्योतिर्गमय

स्था. 1963

Reg. No. S-2272

भारत विकास परिषद्

राजस्थान (मध्य) प्रान्त

वर्ष 2020

का मुख्य पत्र

अंक अक्टूबर-दिसंबर

नई दिशा

स्वस्थ रहें - सुरक्षित रहें

स्वच्छ - स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत

अध्यक्षीय लेखनी

कोरोना महामारी के कारण साल 2020 सभी के लिए बहुत ही चुनौतियों भरा रहा, लेकिन इस बुरे दौर ने हमें यह तो जरूर सिखा दिया कि हमें शारीरिक और मानसिक रूप से इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए जीवन में हमेशा तैयार रहना चाहिए। आप सभी के सामूहिक प्रयास से अल्प समय में केंद्र व रीजन के निर्देशानुसार मानव सेवा के लिए टीम बनाकर आपने परिषद् में सेवा व संगठन के भाव को पूर्ण रूप से प्रदर्षित किया है परिषद के सभी प्रकल्प को पूर्ण करते हुए सेवा भाव के संकल्प में ऐसी विषम परिस्थितियों में भी रक्तदान प्रकल्प में विशेष कार्य करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसी प्रकार अजमेर का सेवा मंदिर हो या ब्यावर शाखा में एंबुलेंस का कार्य हो सेवा के क्षेत्र में आप सभी द्वारा बहुत ही अच्छा कार्य किया जा रहा है। आने वाले सत्र के लिए हमें कुशल नेतृत्व क्षमता, अनुभवी व परिषद् के प्रति समर्पित भाव वाले कार्यकर्ताओं का चयन कर शाखा दायित्वधारियों हेतु भी मंथन करना होगा। आगे भी शाखा व प्रान्त ऐसे ही सेवा एवं संस्कार के कार्यों को सम्पादित कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहे हैं व परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हमें सदैव तत्पर रहकर कार्य करते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित.....

कैलाश अजमेरा
प्रान्तीय अध्यक्ष

सम्पादकीय.....

आदरणीय बन्धुओं,

इस सत्र् में कोविड महामारी के चलते प्रान्त की सभी शाखाओं ने प्रान्त व केन्द्र द्वारा तय लक्ष्यों को नवाचार करते हुए वर्चुअल कार्यक्रमों के द्वारा सभी के समन्वित प्रयासों से पूरा करते हुए राजस्थान मध्य प्रान्त को नई ऊँचाईयाँ प्रदान की है इस हेतु सभी को बहुत-बहुत बधाई। अपने विशिष्ठ कार्यक्रमों की बदौलत ही राजस्थान मध्य प्रान्त केन्द्र में अपना अलग स्थान रखता है।

परिषद् परिवार पूरे मनोयोग से '**स्वामी जी के सपनों का भारत**' के निर्माण में सदैव अग्रणी रहा है तथा इस महामारी के चलते हम राष्ट्र के गौरवशाली अतीत को डीजीटल भारत के माध्यम से पुन: स्थापित करने का प्रयास करें। जिस प्रकार नदी के दोनों किनारों को सेतु जोड़ता है उसी प्रकार आप के मन में जगे 'सेवा व संस्कार' के कार्यों के 'समर्पण' भाव में परिषद् के 'सम्पर्क' में आने पर उससे 'सहयोग' की भावना सेतु का ही काम करेगी।

शुभकामनाओं सहित.....

अरूण पारीक
प्रान्तीय संयुक्त महासचिव

महासचिव की कलम से ....

कोरोना महामारी ने अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय संस्कृति को गौरवान्वित किया है। संक्रमण के चलते जो सावधानियां बताई जा रही है उनका पालन करना तो हमारी संस्कृति में सदियों से अपेक्षित रहा है। कहीं ना कहीं हमने अपनी संस्कृति से दूरी बनाकर इन मुसीबतों को स्वयं आमंत्रित किया है। अब समय की मांग है कि हम वापस अपनी संस्कृति और परंपरा की ओर लौटें, ताकि नई पीढ़ी कोरोना जैसी विपदा से दूर रहे। हम अपने अणु समान कष्टों को पर्वत के समान विशाल बता कर भाग्य को कोसना बंद करें और इस संकट काल में धैर्य संयम और अनुशासन से अनचाहे वनवास को स्वस्थ रहकर पूरा करें।

जिंदा रख दिल में उम्मीदों को, गरल के समंदर में भी गंगाजल निकलेगा।

कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की, जो है आज थमा-थमा सा,चल निकलेगा।।

हमारे सदस्यों के परिश्रम एवं पुरुषार्थ का ही परिणाम है कि गत वर्ष में हमारे प्रांत की सदस्यता पूरे भारतवर्ष में 73 प्रांतों की सदस्यता में सर्वाधिक रही, जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। शाखाओं द्वारा नवाचारों के साथ वर्चुअल कार्यक्रमों का आयोजन लगातार किया जा रहा है और गौरव का विषय है कि ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन भी हर स्तर पर बहुत सुंदर ढंग से किया गया, साथ ही प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता पूरे भारत वर्ष में ऑनलाइन सर्वप्रथम राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा आयोजित कर देश में नसीर कायम की है। सेवा के क्षेत्र में समय की आवश्यकतानुसार रक्तदान के साथ-साथ प्लाज्मा दान का कार्य भी प्रारंभ हुआ है। स्थाई प्रकल्प में अजमेर का भवन निर्माण और ब्यावर शाखा का एंबुलेंस लोकार्पण मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्र एवं रीजन के निर्देशानुसार अत्यंत अल्प समय में 5,200 से अधिक कर्मठ कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर सदस्यों ने मानव सेवा के दृढ़ संकल्प को चित्रार्थ किया हैं। आशा ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्वास है कि जब भी मानव सेवा के लिए हमें कोई कार्य दिया जाएगा या प्रशासन के सहयोग का अवसर आएगा, तब प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी संगठनात्मक व नैतिक जिम्मेदारी का पूर्ण रूप से निर्वाहन करेगा।

परिषद् में सामूहिक योगदान एवं नेतृत्वशीलता हमारी प्रमुख विशेषता है। हमें अपनी विरासत को सुदृढ़, सुरक्षित और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले समर्पित कार्यकर्ता को सौंपने का समय भी आ रहा है। नेतृत्व क्षमता, कार्यकुशलता, अनुभव और परिषद की रीति-नीति के ज्ञान तराजू पर मूल्यांकन कर आने वाले सत्र के लिए दायित्व वहन करने वाले सम्भावित सदस्यों पर मंथन प्रारंभ करना है। शाखा दायित्वधारियों के कार्यकाल की सफलता का मूल्यांकन श्रेष्ठ कार्यकर्ता के निर्माण स्वरूप पर भी आंका जाता है। परिषद का कार्य यशस्वी एवं प्रभावी हो इस हेतु प्रभु हम को शक्ति व आत्म विश्वास प्रदान करें और हम अपने संकल्प को पूरा कर सकें।

कुछ करना है तो डटकर चल, थोड़ा दुनिया से हटकर चल।

लीक पर तो सभी चल लेते हैं, कभी इतिहास पलटकर चल।।

सीए संदीप बाल्दी
प्रान्तीय महासचिव

पुरस्कार वितरण

संस्कार

लोकडाउन के बाद से ही सत्र 2020-21 में राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया गया-उमंग सप्ताह 2020, भारत को जानो प्रतियोगिता (परिषद् परिवार सदस्यों के लिए), ऑनलाइन एकलगान प्रतियोगिता व ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता। सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम समय-समय पर प्रांतीय दायित्वधारियों द्वारा घोषित किए गए। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अभी प्रांत स्तरीय सार्वजनिक कार्यक्रम करना संभव प्रतीत नहीं हो रहा था, अत: भाग लेने वाले प्रतियोगियों के प्रमाण पत्र और विजेता प्रतियोगियों के पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र मय सूची शाखा के मुख्य दायित्वधारीयों को भेजे गये।

समयानुसार शाखा के दायित्वधारीयों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने शहर में उपलब्ध भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय, रीजनल, प्रांतीय दायित्वधारी, प्रांतीय संयोजक, जिलाप्रभारी और शहर समन्वय को साथ लेकर विजेताओं के घर-घर जाकर उन्हें सम्मानित किया।

गुरु वन्दन-छात्र अभिनन्दन

आदर्श विद्या मन्दिर व आलोक सेंट्रल स्कूल शाहपुरा में 2 अक्टूबर 20 को भारत विकास परिषद् शाखा शाहपुरा, जिला-भीलवाड़ा (राजस्थान मध्य प्रांत) द्वारा गुरू वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया जो उपखण्ड अधिकारी के मुख्य आतिथ्य व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। दोनों विद्यालयों में कुल मिलाकर 15 छात्र-छात्राओं एवं 15 गुरूजनों का सम्मान किया गया।

भारत विकास परिषद् के प्रान्त प्रकल्प प्रमुख पवन जी बांगड़ ने परिषद् द्वारा वर्ष पर्यन्त किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं प्रतिभावान आशीष पांचाल, सरस्वती बुनकर व तनुश्री लक्षकार आदि छात्र एवं छात्राओं को तिलक लगाते हुए श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में राज्य सरकार के कोविड

वितरण किए। भावि महाराणा प्रताप शाखा ने गांधीनगर विद्यालय में 30 गुरुओं का सम्मान व 11 छात्रों का अभिनन्दन किया गया। सचिव हरिप्रसाद राठी, नरेन्द्र दाधीच, प्रमोद राठी, महेश कुमार जाजू उपस्थित

19 के नियमो की पालना की गई, कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश से पूर्व सभी की थर्मल स्क्रीनिंग कर मास्क लगाने के बाद सेनेट्रेजर मशीन से सेनेटाइज कर के ही प्रवेश दिया गया और सोशल डिसटेंस का पुरा ध्यान रखा गया।

प्रान्त स्तरीय ऑनलाईन भारत को जानो प्रतियोगिता

राजस्थान मध्य प्रांत की प्रांत स्तरीय ऑनलाईन भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रीजनल चेयरमैन श्रीमान डी.डी. शर्मा जी की अध्यक्षता व प्रोजेक्ट वाइस चेयरमैन श्री राकेश जी सचदेवा के मार्गदर्शन में झुम एप्लीकेशन पर संपन्न हुआ। वरिष्ठ वर्ग में प्रथम चिराग दाधीच व वैभव दाधीच, लॉरेंस कान्वेंट मिडिल स्कूल, शाखा-किशनगढ़ मुख्य, द्वितीय अक्षी दाधीच व स्वीटी जिंदल, सेंटपॉल स्कूल, शाखा-ब्यावर और तृतीय अभिषेक स्वर्णकार व प्रणव स्वर्णकार, जय भारती विद्या मंदिर स्कूल, शाखा-जहाजपुर रहे एवं कनिष्ठ वर्ग में प्रथम आदित्य जांगिड़ व दिव्यांशी जोशी, एम्स जेवियर इंटरनेशनल स्कूल, शाखा-सुभाष भीलवाड़ा, द्वितीय अर्पित आनंद शर्मा व करण श्रोत्रीय, रायन इंटरनेशनल स्कूल, शाखा- अजयमेरू और तृतीय अर्थव बंसल व ध्रुवांश लोहिया, सोमिला इंटरनेशनल स्कूल, शाखा- गंगापुर रहे। परिषद् सदस्यों में श्रीमती कंचन देवी अरोड़ा भीलवाड़ा प्रथम, शिवदयाल जी अरोड़ा भीलवाड़ा द्वितीय और दुर्गाप्रसाद जी जोशी शाहपुरा तृतीय रहे और सांत्वना पुरस्कार प्रिया जी खंडेलवाल ब्यावर, रमेश जी भोजवानी जालिया द्वितीय को मिला। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी अजमेरा ने आभार व्यक्त कर नकद पुरस्कारों की घोषणा की, प्रथम विजेता टीम को 5100, द्वितीय टीम 3100 और तृतीय टीम को 1500 रुपए उनके बैंक अकाउंट में हस्तांतरित किए जाएंगे और साथ ही सभी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किया गया जिसमें भीलवाड़ा, अजमेर और राजसमंद जिलों की कुल 29 शाखाओं के 294 विद्यालयों से 3206 छात्र-छात्राओं और 576 परिषद् सदस्यों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नवाचार को स्वीकार करते हुए बड़े उत्साह से भाग लिया। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता के विजेता व उप विजेता प्रतिभागीयों के मध्य द्वितीय चरण की शाखा स्तरीय प्रतियोगिता 25 अक्टूबर 2020 को आयोजित हुई, जिसमें कुल 22 शाखाओं के 258 विद्यालयों से 508 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शाखा स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता रहने वाली 22 टीम के 81 छात्र-छात्राओं ने 28 अक्टूबर को आयोजित होने वाली प्रांत स्तरीय सेमीफाइनल प्रतियोगिता में भाग लिया। विशेष रूप से प्रश्न पत्र देने के बाद मार्कशीट एवं ई-सर्टिफिकेट विद्यार्थियों को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से तुरंत उपलब्ध करवाया गया।

भारत को जानो स्पर्धा में 32 सौ छात्रों ने भाग लिया

भीलवाड़ा | भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित भारत को जानो ऑनलाइन प्रतियोगिता में भीलवाड़ा अजमेर राजसमंद जिले के 32 सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजस्थान मध्य प्रांत ने प्रतियोगिता का आयोजन मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किया। भारत विकास परिषद के कैलाश सोनी ने बताया कि इस भारत को जानो प्रतियोगिता में 29 शाखाओं के 294 विद्यालयों से 3206 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रांत स्तरीय फाइनल प्रतियोगिता 1 नवंबर को लाइव खेली जाएगी। भाविप के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश अजमेरा, संस्कार अध्यक्ष पारसमल बोहरा, रीजनल मंत्री संस्कार दिनेश कोगटा, स्ट्रीम मंत्री मुकंद सिंह राठौड़, प्रांतीय संयोजक डॉ. हरीश बेरी, तकनीकी सहायक कैलाश आचार्य व कुलदीप

प्रांतीय संयोजक मुकेश जी लाठी ने बताया कि प्रांत स्तरीय ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता में संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं रीजनल महासचिव डॉ त्रिभुवन जी शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़, प्रोजेक्ट सेक्रेटरी दीपक जी रूईया, राहुल जी जैन, रीजनल पर्यवेक्षक श्री दिनेश जी कोगटा और प्रांतीय उपाध्यक्ष पारस जी बोहरा का सानिध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी, प्रांतीय सह-संयोजक हरीश जी बैरी, जिला सचिव भीलवाड़ा शिवम जी प्रहलादका, दिलीप जी पारख और कैलाश जी आचार्य का सहयोग मिला।

किशनगढ़-भीलवाड़ा की टीमें विजेता

भीलवाड़ा. भविप राजस्थान मध्य प्रांत की प्रांत स्तरीय ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता हुई। प्रांतीय संयोजक मुकेश लाठी के अनुसार वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान चिराग दाधीच, वैभव दाधीच (किशनगढ़) द्वितीय ऋषी दाधीच, स्वीटी जिंदल (ब्यावर) तृतीय अभिषेक स्वर्णकार, प्रणव स्वर्णकार (जहाजपुर), कनिष्ठ वर्ग में प्रथम आदित्य जागिड़, दिव्यांशी जोशी (भीलवाड़ा) द्वितीय अर्पित आनंद शर्मा, करण श्रीदीप (अजयमेरु) तृतीय अशोक बंसल, ध्रुवांश लोहिया (गंगापुर) रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीडी शर्मा व प्रोजेक्ट चाइस चेयरमैन राकेश सचदेवा के मार्गदर्शन में हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार की पोषणा प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश अजमेरा ने की। विजेता टीम को 5100, द्वितीय को 3100 और तृतीय को 1500 रुपए दिए जाएंगे। डॉ त्रिभुवन शर्मा, मुकन सिंह राठौड़, दीपक रूईया, राहुल जैन, दिनेश कोगटा,पारसमल बोहरा आदि का सानिध्य मिला। संदीप बाल्दी, हरीश बेरी, शिवम प्रहलादका, दिलीप पारीक व कैलाश आचार्य उपस्थित थे।

परिषद् द्वारा जरूरतमंदों को उनी कम्बल वितरित

अर्पण

भारत विकास परिषद् शाखा गुलाबपुरा द्वारा अर्पण अभियान चलाकर उखलिया गांव में 10 जरूरतमंदों को ऊनी कंबलों का वितरण किया। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय की संस्था प्रधान श्रीमती संतोषकुमार, परिषद के पूर्व कोषाध्यक्ष देवीलाल लक्षकार, राजेंद्र माहेश्वरी, विद्यालय के अध्यापकगण एवं गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसी वितरण के अंतर्गत पंचायत सिडियास के ग्राम गणेशपुरा में अनाथ बच्चों को भी परिषद द्वारा 5 ऊनी कंबल उपलब्ध कराए। ग्राम भोजरास में उपाध्यक्ष अशोक अजमेरा ने जरूरतमंदों को 21 ऊनी कंबलों का वितरण किया एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गागेड़ा के प्रांगण में संस्था प्रधान दिनेश कुमार शर्मा के सानिध्य में 20 जरूरतमंदों को ऊनी कंबलो का वितरण किया गया। इस अवसर पर भोजरास में शाखा सदस्य राजूलाल जाट, रेखा देवी अजमेरा व ग्रामीण महावीर नागला, महावीर मालपानी, श्रवण गुर्जर, जीवराज गहलोत, महावीर पूरी, लादु पुरी, दयाराम बुनकर, रामदेव बुनकर, अविनाश व समस्त ग्रामीण मौजूद थे। कोषाध्यक्ष संपत व्यास ने बताया परिषद द्वारा अर्पण अभियान के अन्तर्गत सदस्यों के पास अनुपयोगी कम्बल, स्वेटर, जर्सी, कोट आदि गर्मवस्त्र एकत्र करके, उन्हें व्यवस्थित कर दूरदराज के गांवों में जरूरतमंदों को वितरण करने का कार्य हाथ में लिया।

युग पुरुष स्वामी विवेकानन्द जयन्ति - युवा दिवस

आज अत्याधुनिक युग में भी अनेक युवा स्वामी विवेकानंद जी की बातों का अनुसरण करते हैं एवं उनके उपदेशों को आत्मसात करने का प्रयास कर रहे है। युवाओं में अत्यधिक लोकप्रिय स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं की जिज्ञासाओं का समय-समय पर अत्यधिक सहज और तर्क संगत तरीके से समाधान किया है। स्वामी जी के अनेक प्रसंग आज भी हम सभी के लिए पथ-प्रदर्शक हैं। ऐसे ही एक प्रसंग को आप सबसे साझा करने का प्रयास कर रहे हैं।

स्वामी विवेकानंद जी जब अलवर प्रवास पर थे तब एक दिन कुछ युवा अपनी जिज्ञासा शांत करने स्वामी जी के पास उपस्थित हुए। इस तरह की बैठक लगभग रोज ही हुआ करती थी। स्वामी जी के प्रभाव का ऐसा असर हुआ कि अलवर में युवाओं का एक समूह बन गया, जो पूर्ण सन्यास नही लेना चाहता था किन्तु आध्यात्म के नियमों के अनुसार जीवन को धर्म की मर्यादा में रहकर जीना चाहता था।

उन युवकों में पूरन नाम का एक युवक था , उसने बात शुरू करते हुए स्वामी जी से कहा कि, स्वामी जी मेरी एक व्यक्तिगत समस्या है। स्वामी जी बोले नि:संकोच अपनी समस्या कहो, हो सकता है तुम्हारी समस्या और भी भाइयों से सम्बंधित हो। स्वामी जी के अपनेपन की भावना से अभीभूत होकर पूरन बोला 'स्वामी जी न तो मैं भिक्षा माँग सकता हूँ और न अपने माता-पिता को असहाय अवस्था में छोड़ सकता हूँ। घर परिवार की जिम्मेदारी हेतु मुझे आजीविका तो चाहिये।' स्वामी जी बोले, 'आजीविका किसे नही चाहिये पुत्र !'

पूरन आगे बोला, 'स्वामी जी आप हमें सच्चाई से जीना सिखाते हैं, ईमानदारी और साहस जैसे गुणों की चर्चा करते हैं। सात्विक और नि:स्वार्थ सेवा से परिपूर्ण जीवन जीने के लिये कहते हैं किन्तु क्या ये संभव है? जो व्यक्ति नौकरी में है, उसके लिये तो ये सेवा नि:स्वार्थ नहीं हो सकती क्योंकि हम इसे आजीविका के रूप में करते हैं। बदले में वेतन लेते हैं और यदि व्यापार की बात करें तो, व्यापार सत्य एवं सरलता से संभव नहीं है। व्यापार में तो सच-झूठ बोलना ही पड़ता है। ऐसे में हम इस संसार में नैतिकता की रक्षा कैसे कर सकते हैं?'

स्वामी जी मुस्कराते हुए बोले, तुम्हारी पीड़ा यथार्त है पुत्र ! नौकरी करते हुए एक बात स्मरण रखो कि तुम जिसके पास नौकरी कर रहे हो, वह तुम्हारा स्वामी है किन्तु तुम्हारा एक स्वामी और भी है, उसने तुमको ये जीवन दिया और इस सृष्टी की रचना की है। नौकरी किसी की भी करो किन्तु अपने वास्तविक स्वामी के विरुद्ध कैसे जा सकते हो। यदि स्वार्थवश किसी का अहित करते हो तो अपने वास्तविक स्वामी का उलंघन करते हो। थोड़ा ईश्वर पर भरोसा करना सीखो, सत्य के लिये थोड़ा भरोसा करना सीखो। स्वामी जी हँसते हुए बोले " अपने सांसारिक लोभ की रक्षा करते हुए हम सात्विक जीवन नहीं जी सकते। हित और लोभ में अंतर समझो। लोभ में हित नहीं होता। हित का लोभ करो, लोभ का हित नहीं। सांसारिक लोभ के प्रवाह में आत्मा का पतन हो जाए तो ये लाभ का सौदा नहीं है।'

स्वामी जी थोड़ा रुके, फिर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बोले 'तुमने कृषी की चर्चा ही नहीं की। तुम देख रहे हो, जो युवक अंग्रेजी के दो अक्षर पढ़ लेते हैं वो अपने गाँव को छोड़ कर नौकरी के लिये शहर की ओर भाग रहे हैं। वहाँ वह कुर्सी पर बैठकर ऐसे काम करना चाहते हैं कि कपड़े और हाँथ गंदे न हों भले ही आत्मा चाहे कितनी भी मलीन हो जाए।'

बातचीत इतनी आत्मीयता के वातावरण में हो रही थी कि और भी युवक बेझिझक अपनी जिज्ञासा को प्रश्नों के माध्यम से पूछ रहे थे। सरमा नामक युवक ने स्वामी जी से कहा कि, खेती में तो न सम्मान है और न पैसा है। जिसको देखिये किसान को हाँककर अपना काम करवा लेता है। जमींदार, सरकारी अधिकारी, गाँव का बनिया सब उसके स्वामी बन जाते हैं। स्वामी जी बोले पुत्र, 'अपने स्वभाव को पहचानों और अपने स्वधर्म को जानो। हम लोग एक भूल करते हैं कि, अपने वंश या व्यवसाय के अनुसार अपना स्वभाव बनाने का प्रयत्न करते हैं। जबकि होना चाहिये कि हम अपने स्वभाव के अनुसार अपना व्यवसाय चुनें। अपना वंश चुनना हमारे हाँथ में नहीं है।' सरमा वापस बोला, किन्तु स्वामी जी अब किसान क्या कर सकता है! अपने बेटे के हाथ में हल और बैल ही पकड़ा सकता है और उसी तरह बनिया अपने बेटे को दुकान पर ही तो बैठा सकता है!

स्वामी जी ने कहा कि पुत्रों एक कथा सुनाता हुँ, गुरु नानक एक खत्री परिवार के घर में जन्म लिये थे। खत्री संभवत: आरंभ में क्षत्रिय थे किन्तु किसी समय उनके क्षत्रिय संस्कार छूट गये और वे खत्री हो गए। जब नानक बड़े हुए तो उनके व्यापारी पिता ने उन्हे कुछ पुंजी दी और सौदा करके आने को कहा। गुरु नानक अपने वंश के अनुसार नहीं चले, वे अपने स्वभाव के अनुसार चले। अपनी आर्थिक पूंजी उन्होने आर्थिक लाभ के किसी व्यापार में नही लगाई। वे उसे गरीबों में बांट आए। घर लौटने पर उनके पिता ने पूछा 'सौदा कर आए? उन्होने उत्तर दिया, हाँ पिता जी ! सच्चा सौदा कर आया।' नानक जी की कथा सुनकर सरमा बोला, 'स्वामी जी वे गुरु नानक थे इसलिये ऐसा कर पाए। हम साधारण जन ऐसा कैसे कर सकते हैं?'

स्वामी विवेकानंद हँस पड़े और बोले 'ये तो सत्य है कि वे गुरु नानक थे, इसलिये ऐसा कर सके किन्तु तुम अपना विकास कर, महान पुरुषों के समान व्यवहार क्यों नहीं कर सकते–यह क्यों नही मानते हो कि तुममें भी वही ब्रह्म है, जो महान पुरुषों में विद्यमान है। स्वयं पर विश्वास करना सीखो।

इस बार धनराज ने प्रश्न किया, स्वामी जी ये सब तो ठीक है! पर मुझे आप बताइये कि किसान का बेटा चाहे तो कैसे पढ़ सकता है और पढ़ भी जाए तो समय नष्ट करने के सिवाय उसका लाभ क्या होगा?

स्वामी जी बोले पुत्र, 'राजा जनक को स्मरण करो उनके एक हाथ में हल था और दूसरे में हाथ में वेद। इसका अर्थ समझते हो?' स्वामी विवेकानंद जी ने समझाते हुए कहा कि इसका अर्थ है, 'राजा जनक कृषी और ज्ञान को एक साथ महत्व दे रहे थे। वे सांसारिक ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान दोनों का महत्व समझते थे और इसलिये वे किसी की भी उपेक्षा नहीं करते थे। वैसे राजा जनक अपने राजा के धर्म को निभाने के लिए हल रख कर तलवार भी उठाने में सक्षम थे।' धनराज ने पूछा कि स्वामी जी राजा जनक का वर्ण क्या था? स्वामी जी ने कहा कि, 'यदि मुझसे पूछोगे तो मैं यही कहुंगा कि वे ब्राह्मण थे क्योंकि उनका स्वभाव एक अनासक्त ज्ञानी का स्वभाव था, किन्तु प्रजापालन के लिए वे कृषि को महत्व देते थे और प्रजा रक्षा के लिए शस्त्रों को। हमारे यहाँ आजकल यह हो रहा है कि जिसको ज्ञान है वह कृषि नहीं कर रहा और जो कृषि कर रहा उसे किसी प्रकार का ज्ञान नहीं है। हमें वैज्ञानिक ढंग से खेती करनी चाहिए, ताकि हमारे खेतों की उपज बढ़े, युवक पढ़-लिख कर नगरों की ओर नहीं गाँवों की ओर बढ़े। हमारे गाँव में जो ज्ञान की भूख है, उसे देखो। पढ़ा-लिखा आदमी जाकर जब ग्रामीणों के बीच बैठता है तो वे उसका सम्मान करते हैं। इस प्रकार ऊँच-नीच का भेद कम होता है। समाज में समरसता आती है। स्वामी जी सरमा की तरफ मुखातिब होते हुए बोले सरमा! तुम भी ज्ञान प्राप्त करके खेती करो।'

स्वामी विवेकानंद जी ने सभी युवाओं की तरफ देखते हुए कहा कि, **'तुम लोग संस्कृत और अंग्रेजी दोनो पढ़ो। संस्कृत इसलिए कि अपने देश, अपने धर्म, अपने प्राचीन ज्ञान को जान सको और अंग्रेजी इसलिए कि पश्चिम से आए आधुनिक ज्ञान से परिचित हो सको।'**

मित्रों, ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को आने वाली परेशानियों से बचाने के लिए अति-उत्तम उपाय बतायें हैं। आजकल की परिस्थिती पर यदि गौर करें तो अनेक युवा गाँव से शहर पढ़ने आते हैं और आज की गलाकाट मंहगी शिक्षा का बोझ उनके माँ-बाप को कर्ज के रूप में उठाना पड़ता है। आलम यह है कि शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात युवा गाँव वापस नहीं जाते क्योंकि व्हाईट कॉलर वाले युवाओं को मिट्टी में काम करना रास नही आता। शहर के हालात ये हैं कि ज्यादा तनख्वाह की उम्मीद लिये युवकों को उचित रोजगार नही मिलता जिससे वे गलत रास्ते का चयन करके स्वयं को बरबादी के रास्ते पर ले जाते हैं और माँ-बाप की उम्मीद पर पानी फेर देते हैं।

मित्रों, स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस पर हम सब उनके सपनो को साकार करने का प्रण करें और उनके द्वारा बताई गई युवाओं की विशेषता को अंगीकार करें क्योंकि विवेकानंद जी के अनुसार, युवा वो है जो अनिति से लड़ता है, दुर्गुणों से दूर रहता है, काल की चाल को अपने सामर्थ्य से बदल सकता है। राष्ट्र के लिए बलिदान की आस्था लिये एक प्रेरक इतिहास रचता है। जोश के साथ होश लिये सभी समस्याओं का समाधान निकाल सकता है। वो सिर्फ बातों का बादशाह नहीं है बल्की उत्तम कर्मों द्वारा उसे साकार करने में सक्षम है।

एनीमिया मुक्त भारत

एनीमिया का अर्थ है, शरीर में खून की कमी। हमारे शरीर में हिमोग्लोबिन एक ऐसा तत्व है जो शरीर में खून की मात्रा बताता है। पुरुषों में इसकी मात्रा 12 से 16 प्रतिशत तथा महिलाओं में 11 से 14 के बीच होना चाहिए। शरीर में खून की कमी तब होती है, जब शरीर के रक्त में लाल कणों या कोशिकाओं के नष्ट होने की दर, उनके निर्माण की दर से अधिक होती है। किशोरावस्था और रजोनिवृत्ति के बीच की आयु में एनीमिया सबसे अधिक होता है। भारत में 80 प्रतिशत से अधिक गर्भवती महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। एनीमिया एक गंभीर बीमारी है। इसके कारण महिलाओं को अन्य बीमारियां होने की संभावना और बढ़ जाती है। एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की प्रसव के दौरान मरने की संभावना सबसे अधिक होती है।

लक्षण-

1. त्वचा का सफेद दिखना।
2. जीभ, नाखूनों एवं पलकों के अंदर सफेदी।
3. कमजोरी एवं बहुत अधिक थकावट।
4. चक्कर आना-विशेषकर लेटकर एवं बैठकर उठने में।
5. बेहोश होना।
6. सांस फूलना।
7. चेहरे एवं पैरों पर सूजन दिखना।
8. हृदयगति का तेज होना।

कारण-

1. सबसे प्रमुख कारण लौह तत्व वाली चीजों का उचित मात्रा में सेवन न करना।
2. मलेरिया के बाद जिससे लाल रक्तकण नष्ट हो जाते हैं।

3. शौच, उल्टी, खांसी के साथ खून का बहना। 4. माहवारी में अधिक मात्रा में खून जाना।

5. पेट के अल्सर से खून जाना। 6. बार-बार गर्भ धारण करना।

7. पेट के कीड़ों व परजीवियों के कारण खूनी दस्त लगना।

8. किसी भी कारण रक्त में कमी, जैसे-दुर्घटना, चोट, घाव आदि में अधिक खून बहना

उपचार तथा रोकथाम-

1. अगर एनीमिया मलेरिया या परजीवी कीड़ों के कारण है, तो पहले उनका इलाज करें।

2. लौह तत्व युक्त चीजों का सेवन करें। 3. विटामिन 'ए' एवं 'सी' युक्त खाद्य पदार्थ खाएं।

4. गर्भवती महिलाओं एवं किशोरी लड़कियों को नियमित रूप से 100 दिन तक लौहतत्व व फॉलिक एसिड की 1 गोली रोज रात को खाना खाने के बाद लेनी चाहिए।

5. जल्दी-जल्दी गर्भ धारण से बचना चाहिए। 6. काली चाय एवं कॉफी पीने से बचें।

7. भोजन के बाद चाय के सेवन से बचें, क्योंकि चाय भोजन से मिलने वाले जरूरी पोषक तत्वों को नष्ट करता है। 8. संक्रमण से बचने के लिए स्वच्छ पेयजल ही इस्तेमाल करें।

9. स्वच्छ शौचालय का प्रयोग करें। 10. खाना लोहे की कड़ाही में पकाएं।

फोलिक एसिड- शरीर में स्वस्थ लाल रक्त कण बनाने के लिए फोलिक एसिड की आवश्यकता होती है। फोलिक एसिड की कमी से एनीमिया की बीमारीहोतीहै।

फोलिक एसिड के स्त्रोत-गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां, मूंगफली, अंडे, कुकुरमुत्ता (मशरूम), मटर व फलियां, चोकर वाला आटा, आलू , दालें, सूखे मेवे, बाजरा, गुड़, गोभी, शलजम व अनानास।

विटामिन 'ए' संक्रमण से शरीर की रक्षा करता है। विटामिन 'ए' के स्रोत-गहरे पीले फल एवं हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां, खट्टे फल, मूली, गाजर, टमाटर, शलजम, खीरा जैसी कच्ची सब्जियां, अंकुरित दालों व अनाजों का नियमित प्रयोग।

एनीमिया मुक्त भारत बनाने का सपना आप सभी के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके अंतर्गत सबसे मुख्य विषय यह है कि बालिका एवं महिला एनीमिया से ग्रसित है या नहीं। सामान्य रूप में उपरोक्त संदेश के अनुसार अगर लक्षण है तो यह माना जाता है कि वह एनीमिया ग्रसित है परंतु यह निर्णय हम कैसे लें। इस संदर्भ में शाखा के दायित्वधारी महिला प्रमुख के नेतृत्व में एक टीम बनाकर पिछड़े क्षेत्रों मेंऔर जब विद्यालय खुलेंगे तो बालिका विद्यालय में जाएं, सर्वप्रथम प्राथमिक रूप से लक्षण दिखने वाली बालिका तथा महिलाओं का चयन करें और ब्लड टेस्ट व स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था करें। यदि एनीमिया किसी बीमारी से ग्रसित होने के कारण है तो चिकित्सक से परामर्श देने की सलाह दें और यदि आयरन की कमी से एनीमिया से ग्रसित है तोपरिषद् के माध्यम से गुड़, चना, लोहे की कढ़ाई इत्यादि का वितरण किया जा सकता है। एनीमिया मुक्त भारत का प्रचार प्रसार वृहद स्तर पर करावें।

डॉ.कमला गोस्वरु
प्रान्तीय संयोजिका

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

शाखा गुलाबपुरा के तत्वावधान में विश्व बालिका दिवस पर हैप्पी हावर्स स्कूल गुलाबपुरा में पूर्णा जी पारीक पूर्व रीजनल मंत्री महिला व बाल विकास के मुख्य आतिथ्य एवं लीला जी गग्गड़ की अध्यक्षता व प्रांतीय प्रभारी किशोर जी राजपाल एवं अरविंद जी सोमानी के विशिष्ट आतिथ्य में बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शाखा महिला प्रमुख भगवती जी मूंदड़ा एवं महादेव जी मूंदड़ा के सौजन्य से विद्यालय की नन्ही मुन्नी बालिकाओं को वाटर बोतल, टिफिन एवं मास्क देकर सम्मानित किया गया। पूर्णा जी ने गुड टच बेड टच पर बालिकाओं को जागृत किया साथ ही उन्होंने बालिकाओं की सुरक्षा हेतु सभी को आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि बेटी का पिता हर समय साथ नहीं हो सकता अत:समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि हर बेटी को अपनी बेटी मानते हुए संरक्षण देवें। किशोर जी राजपाल ने लड़कों को संस्कारित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यदि लड़के संस्कारित होंगे तो बालिकाएं स्वत: सुरक्षित हो जायेगी। हेप्पी हावर्स विद्यालय की बालिकाओं द्वारा इस कार्यक्रम में बालिकाओं संबंधी विषयों पर कविता, नृत्य एवं भाषण प्रस्तुत किए गये। जिन्हें परिषद द्वारा पारितोषिक प्रदान किए गए। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष अशोक अजमेरा, एस.एन.ऐरण, रेखा अजमेरा, पिंकी शर्मा, किर्ति लढ़ा, कुंजबिहारी खंडेलवाल, राजेंद्र खण्डेलवाल, सूरजकरण लढ़ा, मनोज तोषनीवाल, दिनेश छतवानी, राधिका माहेश्वरी सहित बच्चियों के अभिभावक व विद्यालय की शिक्षिकाएं उपस्थित थी। संरक्षक के.डी.मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवं कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष महावीर सोनी ने किया ।

भारत विकास परिषद् शाखा गंगापुर की महिला सदस्या द्वारा बालिकाओं को अध्ययन सामग्री नोटबुक, रबर, पेंसिल, शार्पनर के साथ कई और चीजें जैसे ड्राइंग बुक, कलर सेट, टिफिन, बॉटल, मास्क, सेनिटाइजर आदि उपहार दिये गये। महिला सदस्या श्रीमति विजया जी दाधीच के सहयोग से राजकीय चिकित्सालय में बालिका को जन्म देने वाली 15 प्रसूताओं को ऊपरना ओढ़ाकर स्वागत किया गया व उनके शिशुओं के लिए पोशाक व फल, बिस्किट, हैंड सैनिटाइजर, ग्लव्स, मास्क दिए गए।

गरबा महोत्सव प्रतियोगिता

भारत विकास परिषद् आजाद शाखा भीलवाड़ा द्वारा कोरोना वायरस को देखते हुए नवरात्रों में गरबा महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया। इस प्रतियोगिता में प्रतियोगी द्वारा गरबे की पारंपरिक ड्रेस पहनकर अपने नृत्य का वीडियो

शाखा के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया। प्रतियोगिता में 216 प्रतिभागियों की प्रविष्टियां आयी। शाखा द्वारा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता हेतु ईसर्टिफिकेट प्रदान किए गए और सर्वश्रेष्ठ 3 प्रविष्टियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार एवं तीन अन्य प्रविष्टियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम प्रभारी कल्पना जी सोनी ने बताया कि गरबा महोत्सव प्रतियोगिता में महिलाओं, बालिकाओं और पुरुषों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सीमा जी गोयल, शाखा महिला प्रमुख विजया जी सोमानी सहित सभी मातृशक्ति ने अपना योगदान दिया।

सामाजिक समरसता

भारत विकास परिषद् अजमेर मेन चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लोहार बस्ती पंचशीलनगर अजमेर की दो गरीब कन्याओं के विवाह हेतु दिनांक 29 अक्टूबर 2020 को 2 दिन हेतु 50 लोगों के भोजन के वास्ते समस्त कच्ची सामग्री प्रदान की गई । यह कार्य राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के माननीय क्षेत्र कार्यवाहक श्रीमान् हनुमान सिंह जी राठौड़ की उपस्थिति में किया गया। इस सेवा कार्य हेतु आर्थिक सहयोग डॉ.कमला जी गोखरू द्वारा प्रदान किया गया ।

बच्चों में बांटी खुशियां तो खिले चेहरे

सामाजिक समरसता कार्यक्रम के तहत दीपावली के पावन पर्व पर भारत विकास परिषद् राजसमंद शाखा के सदस्यों द्वारा बोराज का खेड़ा जाकर 101 निर्धन बच्चों को नई पोशाक एव मिठाई का वितरण किया गया और गाँव के नागरिक बन्धुओं को गोमय व मिट्टी के स्वास्तिक वाले दीपक दीपावली की शुभकामना संदेश के साथ दिये गये। कोरोना महामारी के दौर में भारत विकास परिषद् शाखा गंगापुर ने सामाजिक समरसता कार्यक्रम में गंगापुर के आसपास की कच्ची बस्ती में 101 बच्चों को नई पोशाकें व मिठाई बांटी गई। शाखाध्यक्ष दिनेश जी श्रोत्रिय, प्रकल्प प्रभारी चमन जी लोसर, नंदकिशोर जी तेली, मोनू जी, विपुल जी अग्रवाल, प्रवीण जी वैष्णव आदि मौजुद थे।

एनीमिया मुक्त भारत

भारत विकास परिषद् शाखा गंगापुर द्वारा एनीमिया रोग से संबंधित जानकारी के फ्लेक्स बनाकर गंगापुर में जगह-जगह लगवाकर प्रचार प्रसार किया गया तथा महिलाओं द्वारा लोहे की कढ़ाई व गुड-चना भेंट किया गया और एनीमिया रोग की विस्तृत जानकारी भी दी गई। साथ ही एनीमिया रोग से होने वाले परिणाम व उनसे बचने व सुझावों से अवगत करवाया गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस-24-01-2021

राष्ट्रीय बालिका दिवस भारत में हर साल 24 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मकसद देश में लड़कियों के प्रति भेदभाव के प्रति एक अभियान चलाना है जिसका उद्देश्य बालिका शिक्षा, बेटियों के अधिकारों व स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना है, ताकि बड़ी होकर वे शारीरिक, आर्थिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से आत्मनिर्भर व सक्षम बन सकें।

राष्ट्रीय बालिका सप्ताह-'उड़ान'

भारत विकास परिषद् राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास के निर्देशानुसार इस बार राष्ट्रीय बालिका दिवस को विशेष रूप से मनाया जाना है। अत: इस वर्ष नवाचार करते हुए बालिकाओं के उत्थान हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन 'उड़ान' सप्ताह के रूप में 17 जनवरी से 22 जनवरी 2021 तक मनाया जाना प्रस्तावित हैं। उड़ान सप्ताह के अंतर्गत क्या-क्या कार्यक्रम शाखाओं द्वारा किए जा सकते हैं उसकी जानकारी आपके लिए प्रेषित है। आप अपने क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार कार्यक्रमों के स्वरूप में परिवर्तन कर आवश्यक रूप से कार्यक्रम का आयोजन करें। शाखाओं से आग्रह रहेगा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रकल्प के अन्तर्गत राष्ट्रीय बालिका सप्ताह -"उडान" में निम्न कार्यक्रमों का चिन्तन और क्रियान्वयन अपेक्षित है:-

1. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर भाषण, निबंध, स्लोगन अथवा पोस्टर प्रतियोगिताओं का ऑनलाईन आयोजन करना। 2. बच्चियों द्वारा एक स्किट या नृत्य नाटिका का आयोजन, विषय जैसे- बेटी बढ़ाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटियों को ऐसे संस्कार जिससे परिवार विघटित होने से बचाया जा सके , बेटियों को स्वयं पढ़ाई-लिखाई का मूल्य समझ में आये। 3. ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के महत्व को बताते हुए महिला शिक्षा की यथासंभव व्यवस्था करना। 4. हमारे आसपास की स्लम में रहने वाली जितनी बच्चियां है या शाखा ने कोई गांव या बच्चों को गोद लिया है तो उस स्थान पर जाकर बच्चियों का हीमोग्लोबिन टेस्ट हो, ताकि हमारा पहला संकल्प एनीमिया मुक्त भारत पूरा हो सके। 5. शाखा ने जिस गांव को आदर्श गांव बनाने का संकल्प लिया है उस गांव में विशेष रूप से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के स्लोगन प्रसारित करना। 6. शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक आदि क्षेत्र में सम्मान दिलाने वाली बेटियों को सम्मानित करना। 7. नगर के चिकित्सालय में बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाते हुए उपहार देना। 8. प्रत्येक परिषद् सदस्य यह संकल्प लेवे की घरो में काम करने वाली बेटीयों को पढ़नें के लिये प्रेरित करेंगें व आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान करेंगें। 9. प्रशासन की स्वीकृति से सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों, रेलवे-स्टेशन एवं बस स्टैंड पर संदेशात्मक पेंटिंग का कार्य भी किया जा सकता है। 10. नगर में हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के सन्देश का व्यापक प्रचार-प्रसार। 11. बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये समाज की विभिन्न महिला वर्ग को लेकर सेमिनार, कार्यशाला एवं विचार गोष्ठी का आयोजन। 12. वर्तमान परिपेक्ष की आवश्कतानुसार बच्चियों में डिजिटल साक्षरता हेतु कार्यक्रम करना। 13. आत्म रक्षा कि ट्रैनिंग प्रारम्भ कर बच्चियोंको आत्म विश्वास से ओतप्रोत करना। 14. बच्चियों में सामाजिक समरसता को बढ़ाने हेतु विभिन्न सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना। 15. कौशल विकास के लिए सिलाई, कढ़ाई, बुनाई ओर छोटे-छोटे हथकरघा के सामान आदि बनाने का प्रशिक्षण देकर उन्हे हम आत्म निर्भर बना सकते हैं।

यह आयोजन शाखा की महिला सदस्यों की अगुवाई में पुरुष सदस्यों के सहयोग से किये जाने चाहिए। हमारे द्वारा किये गये छोटे-छोटे प्रयास निश्चय ही समाज में बड़ा बदलाव लायेंगें। सभी शाखाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की प्रांतीय महिला प्रमुख के माध्यम से रीजन व केंद्र को प्रेषित की जाएगी। पूरे देश भर में आयोजित कार्यक्रमों में से श्रेष्ठ तीन कार्यक्रमों को राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम बेटी है तो सृष्टि है के अंतर्गत 24 तारीख को होने वाले सम्मेलन में दिखाया जाएगा।

भारती मोदानी
प्रान्तीय संयोजिका

महिला एवं बाल विकास बैठक

संगठन

श्रीमति राजश्री जी गांधी प्रोजेक्ट वाईसचेयरमेन महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में महिला बैठक का ऑनलाइन आयोजन 30.10.2020 को किया गया, जिसमें श्रीमति प्रमिला जी रीजनल मंत्री ने अपने उद्बोधन में एनिमिया मुक्त भारत पर महिलाओं को अधिक कार्य करने, कोविड से संक्रमित होकर स्वस्थ हो गये उन्हें प्लाज्मा दान करने के लिये प्रेरती करने, स्वस्थ महिलाओं द्वारा रक्तदान करने, लोकगीतों, नृत्य आदि प्रोग्रामो के आयोजन करने का मार्गदर्शन दिया, जिससे समाज व देश में परिषद् द्वारा अच्छा संदेश पहुंचे। परिषद् में सभी महिलाएं हर महीने एक मिटींग करे तथा उसमें नवाचार के बारे विचार विमर्श करे तथा अपने संम्पर्क को बढ़ाये। श्रीमति राजश्री जी गांधी ने एनिमिया मुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, बेटी पढ़ाओ बेटी बसाओ और बाल संस्कार विषय पर प्रकाश डाला साथ ही बैंक लोन के बारे में मार्गदर्शन दिया और कहा की आजाद रहे विचारों से लेकिन बंधे रहे संस्कारों से। श्री राकेश जी गुप्ता राष्ट्रीय मंत्री वित्त ने महिला एक कुशल वित्त प्रबंधक ग्रहस्त से लेकर संगठन तक तथा मॉल में शॉपिंग तथा बचत के बारे में जानकारी दी। श्री मुकन सिंह जी राठौड़ राष्ट्रीय मंत्री द्वारा सभी महिलाओं को कोविड में नवाचार कार्यों के लिये बहुत आभार एवं धन्यवाद दिया। बैठक में 27 महिला सदस्यों की सहभागिता रही।

भाविप मध्य प्रांत की ऑनलाइन बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा

वित्तीय सम्पर्क बैठक

राष्ट्रीय वित्तमंत्री माननीय सीए श्री संपत जी खुर्दिया की अध्यक्षता में वित्तय संपर्क बैठक का अश्वनलाइन आयोजन 25.11.2020 को किया गया, जिसमें राष्ट्रीय व रीजनल दायित्वधारियों के साथ-साथ प्रांतके दायित्वधारी जुड़ें। बठैक में 18 सदस्यों की सहभागिता रहीं।प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी ने प्रांतीय वित्त सचिव सुधीर जी व्यास की अनुपस्थिति में प्रांत का वित्तीय प्रतिवेदन सदन के समक्ष रखा और बताया कि वर्ष 2020-21 में 17 शाखाओं ने ।व्च्का काम पूरा कर लिया है व 15 शाखाओं के पैन नंबर भी आ गए हैं। प्रांत की 19 शाखाओं से बैलेंस शीट प्राप्त हो गई है और तीन शाखाओं ने केंद्रीय वेबसाइट पर सदस्य सूची अपलोड कर दी है। उन्होंने केंद्रीय वेबसाइट पर सदस्य सूची अपलोड होने में आ रही समस्याओं से भी केंद्रीय वित्त सचिव को अवगत कराया, जिसका जल्द समाधान का आश्वासन मिला। सदन को बताया कि मध्य प्रांत के अब तक 2137 सदस्यों का शुल्क प्राप्त हो गया है और सदस्यता नवीनीकरण का कार्य की गति पर है।रीजनल वित्तमंत्री सीए श्री राकेश जी गुप्ता ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम ।व्च्बनाने और च।छ नंबर लेने की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की। उन्होंने शाखाओं के लेखे किस प्रकार रखे जाने हैं और उनका अंकेक्षण किया जाना है का विस्तृत ब्यौरा सदन के समक्ष रखा।

सीए श्री संपत जी खुर्दिया ने अपनी सहज भाषा शैली में बहुत सुंदर ढंग से लेखो की बारीकी, आयकर अधिनियम के प्रावधान और शाखाओं द्वारा वित्त का प्रबंध किस प्रकार किया जाए पर विस्तृत और सारगर्भित उद्बोधन दिया। प्रांत की सुदृढ़ वित्त व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि वर्ष

19-20 में प्रांत की सदस्यता संख्या पूरे देश भर में सर्वाधिक रही थी और राजस्थान मध्य प्रांत सदैव अपने कार्य गतिविधियों और शैली की वजह से देश का आदर्श प्रांत रहा है।खुले सत्र में सदस्यों के शंकाओं का समाधान करते हुए बहुमूल्य सुझाव दिए। रीजनल महामंत्री श्री त्रिभुवन जी शर्मा ने अपने ऊर्जावान उद्बोधन में शाखाओं को वित्तीय पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देने को कहा व सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय वित्त मंत्री को आश्वस्त किया की प्रांत और शाखाएं वित्त के संदर्भ में आपके द्वारा बताए गए दिशा निर्देशों का अक्षरश: पालन करेंगे। बैठक का संचालन राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ ने करते हुए दायित्वधारियों का आभार व्यक्त किया।

अतिआवश्यक बैठक

प्रांतीय कार्यकारणी बैठक - प्रांतीय कार्यकारिणी की अतिआवश्यक बैठक का आयोजन झुम ऐपलिकेशन के माध्यम से 28.11.2020 को श्री मुकन सिंह जी राठौड़ (राष्ट्रीय मंत्री) की अध्यक्षता में ऑनलाईन आयोजित की गई। प्रांतीय महासचिव सीए संदीप बाल्दी ने प्रांत की शाखाओं द्वारा अब तक किए गए सेवा, संस्कार और संपर्क के कार्यों का प्रतिवेदन सदन के समक्ष रखा और बताया कोरोना काल के समय में भी प्रांतीय संयोजक महेंद्र कुमार जी रांका व शिवदयाल जी अरोड़ा के नेतृत्व में गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम शाखाओं द्वारा किए जा रहे हैं। प्रांतीय संयोजक दिलीप जी पारीक एवं अरुण जी बाहेती के नेतृत्व में ऑनलाइन एकल गान प्रतियोगिता का बहुत सुंदर आयोजन शाखा, जिला एवं प्रांत स्तर पर किया गया। उन्होंने बताया कि पूरे देश में सर्वप्रथम प्रांत स्तरीय ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन भी मध्य प्रांत के द्वारा श्री मुकेश जी लाठी और डॉ. हरीश जी बेरी के नेतृत्व में किया गया। वर्ष 2019-20 में मध्य प्रांत की सदस्यता संख्या 2861 पूरे देश के 73 प्रांतों की सदस्यता संख्या में सर्वाधिक रही, जिसके लिए महासचिव द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की गई।

महासचिव ने केंद्र तथा रीजन के निर्देशानुसार अति आवश्यक बैठक का विषय सदन के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि कोरोना वैक्सीन के वितरण के प्रबंध में प्रशासन के सहयोग हेतु कर्मठ कार्यकर्ताओं के पांच-पांच सदस्यों की टीमों की संरचना का निर्देश प्राप्त हुआ है और यह बैठक टीमों की संरचना के स्वरूप एवं योजनाओं के नीति निर्धारण के लिए आहूत की गई है। शाखा स्तर पर इस तरह की टीमों की संरचना करने, टीम के प्रारूप एवं स्वरूप की जानकारी प्रजेंटेशन के माध्यम से दी और बताया कि वर्ष 19-20 की सदस्यता से लगभग दोगुनी कर्मठ कार्यकर्ताओं की एक फौज हर शाखा को अपने क्षेत्र में तैयार करनी है। उन्होंने बताया कि टीमों की सूची 2 दिसंबर शाम 5:00 बजे तक जिला सचिवों के माध्यम से प्रांत को प्रेषित की जानी है, जिससे सभी सूचियों को समायोजित कर रीजनल महामंत्री को भेजी जा सकें। संगठन मंत्री श्री सुभाष जी जैन ने संगठनात्मक रिपोर्ट सदन के समक्ष रखी और बताया

की फोन, मोबाइल तथा ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से जिला अध्यक्ष, जिला सचिव व सह संगठन मंत्री के साथ मिलकर शाखाओं सदस्यों के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। मुकन सिंह जी राठौड़ ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अत्यंत कम समय में एक बड़े कार्य का जिम्मा रीजन के द्वारा प्रांत को दिया गया है और सभी के संयुक्त प्रयासों से यह कार्य पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रांतीय दायित्वधारी को अपने प्रभार की शाखा के साथ चर्चा कर की टीम गठन के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करना है।

कैलाश जी अजमेरा ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में बताया की टीमों के गठन होने के पश्चात् स्थानीय स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र के साथ सूची प्रदान की जाएगी और परिषद् के सदस्यों के सहयोग हेतु आग्रह किया जाएगा। बैठक में श्री मुकट बिहारी जी मालपानी (संरक्षक-मध्य प्रान्त) का सानिध्य भी मिला। प्रांतीय उपाध्यक्ष सम्पर्क श्री रतनलाल जी नाहर ने सभी प्रांतीय संयोजक बंधुओं एवं केंद्रीय व रीजनल दायित्वधारियों को धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। बैठक में 34 सदस्यों की सहभागिता रही।

प्रांतीय परिषद बैठक-प्रांतीय परिषद की कोरोना वैक्सीन के वितरण के प्रबंध हेतु अति आवश्यक बैठक का आयोजन झुम ऐपलिकेशन के माध्यम से 29.11.2020 को श्री मुकन सिंह जी राठौड़ (राष्ट्रीय मंत्री) की अध्यक्षता में ऑनलाईन हुआ। बैठक में 65 सदस्यों की सहभागिता रही।

महिला प्रमुख बैठक- वैक्सीन के प्रबन्धन में प्रशासन के यथा संभव सहयोग हेतु सुनियोजित संगठित 5-5 सदस्यों की टीमों के रूप में सूची बनाने का कार्य प्रारम्भ करने के लिए प्रांत की सभी शाखाओं की महिला प्रमुख की बैठक श्रीमति प्रमिला जी रीजनल मंत्री व श्रीमति राजश्री जी गांधी प्रोजेक्ट वाईसचेयरमेन महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में आहुत की गई।

रीजनल बैठक में सहभागिता -

1. रीजनल सम्पर्क बैठक- 11.10.2020-सहभागिता- 6 सदस्य-श्री अजय जी दत्ता
2. महिला एवं बाल विकास बैठक-30.10.2020-सहभागिता-27 सदस्य-श्रीमती राजश्री जी गांधी
3. रीजनल सम्पर्क बैठक- 08.11.2020-सहभागिता- 5 सदस्य-श्री अजय जी दत्ता
4. रीजनल सम्पर्क वित्त बैठक- 25.11.2020-सहभागिता- 4 सदस्य-श्री सम्पत्त जी खुर्दिया
5. रीजनल सम्पर्क बैठक- 27.11.2020-सहभागिता- 5 सदस्य-श्री डी. डी. शर्मा
6. रीजनल सम्पर्क बैठक- 20.12.2020-सहभागिता- 5 सदस्य-श्री डी. डी. शर्मा

एम्बुलेन्स लोकार्पण

सेवा

भारत विकास परिषद ब्यावर के 'पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट' को देवउठनी एकादशी पर नगर के समाजसेवी व उद्योगपति दीपक जी झंवर एवं परिवार की ओर से जनहितार्थ एम्बुलेंस भेंट की गई जिसका उपयोग ट्रस्ट आमजन के लिए कर सकेगा। शाखा सचिव प्रशांत जी पाबूवाल ने बताया कि बुधवार 25.11.2020 को ब्यावर उपखंड के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.आलोक श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य तथा ब्यावर शाखा अध्यक्ष राजेन्द्र जी काबरा की अध्यक्षता में झंवर परिवार द्वारा विधिवत पूजा कर यह एम्बुलेंस लोकार्पित की गई। पीएमओ ने भारत विकास परिषद् के जनहित कार्यों की सराहना करते हुए कोविड-19 के इस विकट समय में नई रोगी वाहन जनहितार्थ उपलब्ध कराने के कार्य को उत्तम सेवा कर्म बताया। उन्होंने झंवर परिवार को बहुत-बहुत साधुवाद भी दिया। भारत विकास परिषद् परिवार ने झंवर परिवार को सम्मान-पत्र देकर उनके योगदान को सराहा।

एंबुलेंस का संचालन भारत विकास परिषद्, ब्यावर शाखा द्वारा ही किया जाएगा। एंबुलेंस जनसाधारण के लिए अनुदानित मूल्य पर उपलब्ध रहेगी, जिससे नगर की अन्य सभी एंबुलेंसों की दरों में नियंत्रण रहेगा। इस कार्यक्रम में आलोक जी गुप्ता, भागीरथ जी हेड़ा, जसपाल सिंह जी हुड़ा, जितेन्द्र जी गर्ग, अनिल जी कुमावत, कन्हैयालाल जी शर्मा सहित झंवर परिवार मौजूद रहा।

भाविप को झंवर परिवार ने एम्बुलेंस भेंट की

भारत विकास परिषद् ब्यावर के 'पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट' को देवउठनी एकादशी पर नगर के समाजसेवी व उद्योगपति दीपक झंवर परिवार द्वारा विधिवत पूजा कर यह एम्बुलेंस लोकार्पित की गई। पीएमओ ने भाविप के जनहित कार्यों की सराहना करते हुए कोविड-19 के इस विकट समय में नई रोगी वाहन जनहितार्थ उपलब्ध कराने के कार्य को उत्तम सेवा कर्म बताया। उन्होंने झंवर परिवार को बहुत-बहुत साधुवाद भी दिया। भाविप परिवार ने दीपक झंवर परिवार को सम्मान-पत्र देकर उनके योगदान को सराहा। इस कार्यक्रम में आलोक गुप्ता, भागीरथ हेड़ा, जसपालसिंह हुड़ा, जितेन्द्र गर्ग, अनिल कुमावत, कन्हैयालाल शर्मा सहित झंवर परिवार मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद द्वारा जनहितार्थ एबुलेंस का लोकार्पण

रक्तदान

कोरोना महामारी के कारण संकटकाल में रक्त की कमी से जूझते हुए अस्पतालों को मानव सेवार्थ सहायता हेतु राजस्थान मध्य प्रांत की 14 शाखाओं द्वारा 45 विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया, जिसमें सदस्यों के अथक प्रयासों से **2871** रक्त युनिट एकत्रित कर मानव सेवा के इस अभिनन्दनीय कार्य में सहयोग प्रदान किया गया। विशेषकर जहाजपुर शाखा द्वारा 11 शिविरो में 819 युनिट रक्त संग्रहण किया।

शिविर में 65 यूनिट रक्तदान

मोहनपुरा: शिविर में 78 यूनिट रक्त संग्रहित

मांडलगढ़ @ पत्रिका. ग्राम पंचायत मोहनपुरा व भाविप शाखा जहाजपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें 78 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। कार्यक्रम में विधायक गोपाल खंडेलवाल निवर्तमान जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाडा, बिजौलियां ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हीरालाल गुर्जर, सरपंच रामस्वरूप तेली, भाजपा जिला मंत्री अनिल पारीक, मांडलगढ़ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हरिलाल जाट, महुआ मंडल अध्यक्ष सावरमल रेबारी, ग्रामीण व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। सभी ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

शिविर में 68 यूनिट रक्त का संग्रहण

'रक्तदान है महादान, बचती है किसी की जान'

प्लाजमा डोनेट

कोरोना महामारी में कोरोना से ग्रसित रोगियों के इलाज के लिए कोरोना से ठीक हुए व्यक्तियों के प्लाज्मा की अत्यंत कमी बनी हुई है। लोग अज्ञानता के कारण प्लाज्मा डोनेट करने से कतराते हैं। ऐसे कठिन दौर में प्लाज्मा की कमी को दूर करने का बीड़ा भारत विकास परिषद् शाखा जहाजपुर राजस्थान मध्य प्रांत के दायित्वधारी व सदस्यों ने उठाया। प्रांतीय संयोजक रक्तदान देवराज जी सुरतानिया के मार्गदर्शन में कोरोना से ठीक हुए नवयुवकों से सम्पर्क कर उनसे काउंसलिंग की और उन्हें जहाजपुर-केकडी-भीलवाड़ा से एकत्रित कर महात्मा गांधी ब्लड बैंक जयपुर चिकित्सालय में 5 युवक-प्रदीप, रोहित, ऋषि, लवेश व आशीष द्वारा प्लाज्मा दान करवाया।

प्लाज्मा का दान...बन जाए कब किसका.. वरदान...??

23 नवम्बर को शाखा विवेकानन्द भीलवाड़ा सदस्य अतुल जी शाह व 03 दिसम्बर को शाखा वीर शिवाजी के कोषाध्यक्ष सतीश जी सोडाणी ने कोविड-19 को हराकर स्वस्थ होने के पश्चात प्लाज्मा दान किया। इस प्रकार प्रांत की इस नई मुहिम में अब तक 10 युवकों द्वारा प्लाज्मा दान किया तथा त्वरित आवश्यकता होने पर भी प्लाज्मा सहयोग की व्यवस्था की जा रही है।

नो मास्क नो एन्ट्री जन आन्दोलन-स्टीकर एवं मास्क वितरण

भारत विकास परिषद, शाखा बिजयनगर द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना से आमजन के बचाव हेतु जन आंदोलन 'नो-मास्क नो-एन्ट्री' के तहत कोरोना जागरूकता रैली नगरपालिका बिजयनगर के वार्ड 13 व 20 में पैदल चलकर निकाली। साथ ही घर-घर जाकर आमजन को 1000 मास्क का वितरण किया गया एवं 'नो मास्क नो एन्ट्री' के 1000 जागरूकता स्टीकर घर-घर पर चिपकाये और आमजन को घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाने व सोशल डिस्टेशिंग की पालना करने हेतु समझाया गया। कोरोना जागरूकता रैली में शाखा अध्यक्ष विनोद नाहर, कोषाध्यक्ष ज्ञानचन्द नाहर, सचिव एस. एन. जोशी, साहब शरण आचार्य, हेमचन्द्र रांका, सुरेश शर्मा व राजेन्द्र पामेचा सहित समस्त पदाधिकारीगण सम्मलित हुये एवं नगरपालिका बिजयनगर से कोरोना जन आन्दोलन प्रभारी ईरफान अहमद, शिव प्रकाश ओझा, वरिष्ठ लिपिक व पालिका के समस्त जमादार सम्मलित हुए।

2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री व गांधी जयंती के उपलक्ष्य में पुराना बस स्टैंड पर मुख्य शाखा मदनगंज-किशनगढ़ द्वारा मास्क एवं स्टीकर वितरण का कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम की शुरुआत

किशनगढ़ एसडीएम राजेंद्र सिंह जी व शाखा अध्यक्ष ओम प्रकाश जी मैनवात द्वारा गांधीजी, मां भारती व स्वामी विवेकानंद जी के चित्रपट पर माल्यार्पण कर की गई। परिषद सचिव महेंद्र जी मित्तल ने बताया कि कोरोना महामारी को देखते हुए 500 मास्क व 200 स्टिकर वितरित किये, कार्यक्रम में आम जनता ने उत्सुकता दिखाई और आगे बढ़ कर मास्क व स्टिकर लेकर इस सुविधा का लाभ उठाया।

डायबिटीज जागरूकता कार्यक्रम

कोरोना वायरस ने सबसे अधिक उन व्यक्तियों को प्रभावित किया है जिन्हें डायबिटीज की समस्या थी या है, ऐसे व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम रहती है। अत: यदि डायबिटीज को नियंत्रित किया जा सके और सावधानी के साथ-साथ आवश्यक उपाय किए जाए तो व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सकती है और शरीर सभी बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है। डायबिटीज के नियंत्रण हेतु राजस्थान मध्य प्रांत की कुछ शाखाओं द्वारा नि:शुल्क दवा वितरण का कार्य किया जा रहा है। डायबिटीज जागरूकता के क्रम को विस्तारित करते हुए मध्य प्रांत द्वारा डायबिटीज अवेयरनेस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय उपाध्यक्ष सेवा श्रीमान रामेश्वर जी काबरा और प्रांतीय संयोजक श्री रमेश जी शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।

डायबिटीज (मधुमेह) जागरूकता क्विज 14 को

भीलवाड़ा। भारत विकास परिषद राजस्थान मध्य प्रान्त एवं अजयमेरु डायबिटीज सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में डायबिटीज (मधुमेह) जागरूकता क्विज 14 नवंबर शनिवार को सुबह 11 बजे होगी। प्रतियोगी के लिए रजिस्ट्रेशन मोबाइल के माध्यम से करना होगा। प्रतियोगिता विजेता को प्रथम पुरस्कार 3000, द्वितीय पुरस्कार 2000 व तृतीय पुरस्कार 1000 तथा 10 सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।

इस कार्यक्रम के तहत् वर्चुअल बैठकों, पोस्टर, संदेश एवं प्रपत्रों के माध्यम से डायबिटीज, लक्षण, परिणाम, सुझाव एवं उपाय के बारे में जानकारी सोशल मीडिया के उपयोग से प्रसारित एवं प्रचारित करना और ऑनलाइन डायबिटीज अवेयरनेस कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक व्यक्तियों के मध्य डायबिटीज की जागरूकता का कार्य करना है। इसी के अन्तर्गत 14 नवंबर को विश्व डायबिटीज दिवस पर राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा ऑनलाइन डायबिटीज जागरूकता हेतु ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किया गया, जिसमें भीलवाड़ा, अजमेर और राजसमंद जिलों से 523 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी ने बताया की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रतिभा शर्मा द्वितीय स्थान पर विनोद शर्मा एवं तृतीय स्थान पर गौरव टांक रहें। प्रांत द्वारा प्रथम विजेता को 3000/-रू., द्वितीय को 2000 /-रू. व तृतीय को 1000/-रू. नगद पुरस्कार और 10 अन्य विजेताओं को सांत्वना पुरस्कार दिये गये।

स्थाई जल मन्दिर

प्रांत की सुभाष शाखा भीलवाड़ा द्वारा डॉक्टर सूरज प्रकाश जल मंदिर योजना के अंतर्गत लादुवास माध्यमिक विद्यालय में स्थाई जल मंदिर की स्थापना की गई।

तुलसी पौधा वितरण

शाखा गुलाबपुरा द्वारा आज वीर शिवाजी चौराहा गुलाबपुरा पर 251 तुलसी पौधों का वितरण नि:शुल्क किया गया। वहाँ से गुजरने वाले नागरिकों को तुलसी का महत्व समझाते हुए पौधे वितरण किये और उनसे माँ तुलसी जी की देखभाल करने का निवेदन किया। इस अवसर पर संरक्षक के.डी. मिश्रा, अध्यक्ष महावीर सोनी, कोषाध्यक्ष संपत व्यास, महिला प्रमुख भगवती मूंदड़ा, मनोज तौषनीवाल, राजकुमार सोनी, रमेश सोनी, कुंज बिहारी खंडेलवाल, एन.एन. ऐरण एवं नरेन्द्र कालानी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

160 तुलसी गमलों का किया वितरण

टीमों का गठन

कोरोना महामारी ने एक विकराल रूप ले रखा है और पूरे विश्व भर के विज्ञानिक और अनुसंधान टीमें कोरोना की वैक्सीन बनाने में जुटी हुई हैं। सभी समाचारों और संदेशों के माध्यम से संभावना है कि कोरोना की वैक्सीन जनवरी या फरवरी 2021 में उपलब्ध हो जाएगी।

ऐसा संभव है कि आने वाले समय में प्रशासन को वैक्सीन के प्रबन्धन में स्वयंसेवी संगठनों और कर्मठ कार्यकर्ताओं की आवश्यकता पड़ सकती है। इस सन्दर्भ में परिषद् के प्रत्येक सदस्य की यह नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वैक्सीन के प्रबन्धन में हम प्रशासन का यथासंभव सहयोग करें और ऐसे समय में यदि हमारे पास एक सुनियोजित संगठित टीम होगी तो हम समाज सेवा के हमारे संकल्प को पूरा कर पाएंगे। इसी बात को ध्यान रखते हुए केंद्र एवं रीजन के निर्देशानुसार प्रत्येक शाखा से ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की 5-5 सदस्यों की टीम के रूप में 1054 टीमों के रूप में 5270 कर्मठ कार्यकर्ताओं की सूची विपरीत परिस्थितियों में भी बहुत सुंदर ढंग से तैयार की गई। एक टीम में टीम लीडर परिषद् सदस्य समेत कुल 5 सदस्य हैं। टीम में एक महिला सदस्य व अन्य 3 सदस्यों में अन्य संगठन व समाज के व्यक्तियों को भी जोड़ा गया। टीम की सरंचना हेतु अपने शहर/गांव के प्रत्येक क्षेत्र/वार्ड/मोहल्ले के अनुसार बनाया गया है, जिसमें सदस्य का नाम, पता व मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण लिया गया है। अत्यंत अल्प समय में शाखा के सभी सजग कार्यकर्ताओं द्वारा बहुत सुंदर एवं सुनियोजित ढंग से टीमों का गठन किया गया।

वैक्सीन वितरण में सहयोग करेगी भारत विकास परिषद

77 टीमें बनाई गई हैं, जिसमें 385 सदस्यों की भागीदारी रहेगी

भाविप ने टीकाकरण में सहयोग की मंशा जताई

एक शाखा एक गाँव

भारत विकास परिषद राजसमंद शाखा द्वारा कोरोना से बचाव हेतु महिला सदस्यों द्वारा 4000 मास्क वितरीत किये गए। मास्क बनवाने का कार्य राजसमंद शाखा द्वारा जो गाँव गोद लिया हुआ है (बोराज का खेड़ा) वहीं पर प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा बनवाये गए हैं। मास्क वितरण-सब्जी मंडी, मुखर्जी चौराहा कांकरोली, फवारा चोक, सब्जी मंडी, कलक्टर एरिया राजसमंद, आवरी माता मंदिर, बोराज का खेड़ा, पुलिस प्रशासन एवं नगर परिषद् पर किये गये।

अजमेर सेवा मन्दिर (परिषद् भवन)

राष्ट्रीय महामंत्री माननीय श्री श्याम जी शर्मा ने अपने अजमेर प्रवास के दौरान 05.12.2020 को भारत विकास परिषद् अजमेर मेन चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्माणाधीन अजमेर सेवा मंदिर (परिषद् भवन) का अवलोकन किया। श्री श्याम जी शर्मा ने राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़, प्रांतीय महासचिव संदीप जी बाल्दी और ट्रस्ट के दायित्वधारियों से भवन निर्माण और भविष्य में ट्रस्ट द्वारा उक्त भवन में प्रस्तावित सेवा और संस्कार के कार्य गतिविधियों के संदर्भ में चर्चा की और बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। भवन निर्माण प्रभारी सुरेश जी गोयल ने भवन के नक्शे एवं निर्माण की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि भवन जल्दी ही पूर्ण स्वरूप में आ जाएगा।

अजमेर मुख्य शाखा अध्यक्ष श्री अशोक जी गोयल ने बताया कि ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीयों द्वारा आर्थिक सहयोग के रूप में रू. 51,000 और मुख्य शाखा सदस्यों द्वारा रू.11,000 दिये जा रहे हैं व प्रस्तावित गतिविधियों के अगले 3 वर्ष तक की योजना पर भी कार्य चल रहा है। शाखा द्वारा भवन निर्माण के कार्यों की भरपूर प्रशंसा करते हुए, श्याम जी शर्मा ने कहा कि सुनियोजित योजना और समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम के प्रयासों का ही परिणाम है कि अत्यंत कम समय में अजमेर में भवन निर्माण का कार्य बहुत सुंदर ढंग से चल रहा है। उन्होंने केंद्रीय कार्यालय से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में श्री रामचंद्र जी शर्मा, श्री सुरेश जी गाबा, श्री राधेश्याम जी अग्रवाल, श्री हितेश जी जाजू, श्री सतीश जी बंसल आदि उपस्थित थे।

श्री पवन कुमार बांगड़

कर्मवीर

श्रेष्ठ, समर्पित और अपनी कर्त्तव्य निष्ठा से शिक्षा व शिक्षा मन्दिर का काया कल्प करने वाले कार्यकर्ता की कहानी। अपने परिश्रम, निष्ठा, संवेदनशीलता और कर्मठता से परिषद् के ध्येय वाक्य सम्पर्क- सहयोग-संस्कार-सेवा-समर्पण को जीवन्त करने वाले कार्यकर्ता है - श्री पवन कुमार बांगड़। आप शाहपुरा-भीलवाड़ा शाखा के संस्थापक सदस्य एवं राजस्थान मध्य प्रान्त के वरिष्ठ कार्यकर्ता है। आप शाहपुरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसीपल पद पर कार्यरत थे और गत वर्ष सेवा निवृत हुए। आपने सम्पर्क के माध्यम से भामाशाहों के मन में सेवा व समर्पण का संस्कार निर्माण करते हुये उन्हें सेवा के लिए प्रेरित किया और 1 करोड़ 72 लाख रुपए से भी अधिक धन राशि का भामाशाह और विभागीय सहयोग लेकर विद्यालय में 8 कक्षा-कक्षों, राधाकृष्णन हॉल, विद्यालय का प्रवेश द्वार (एकलव्य गेट), प्रार्थना हॉल और क्रीड़ा हॉल, बरामदा निर्माण, विद्यालय जीर्णोदार, अति आधुनिक लैब (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) एवं 5 वाटरकूलर, पेयजल हेतु पानी की टंकी की मरम्मत एवम् वॉटर फ्युरीफाई, 4 स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाकर कायाकल्प किया और अजमेर संभाग का चुनिंदा सरकारी विद्यालय बना दिया। जिसमें 1000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिसमें भी विज्ञान वर्ग में ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में 450 विद्यार्थी अध्ययनरत है। आपके कार्यकाल में भौतिक रूप से ही नहीं शैक्षिक रूप में विद्यालय का परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा, यह सब आपकी सभी को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति से संभव हो पाया है। सेवानिर्वत के समय स्वयं के द्वारा भी विद्यालय को 5 लाख एक हजार एक रुपए की राशि भेंट की गई। आप ही नहीं आपकी अर्धांगिनी शशीजी बांगड़ भी सेवा कार्य में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देती हैं उसी का परिणाम है कि आप दोनों ने मेडिकल कॉलेज में अध्यनरत विद्यार्थियों के अध्यन हेतु मृत्यु उपरांत देहदान की भी स्वीकृती प्रदान की है। ऐसे श्रेष्ठ और समर्पित कार्यकर्ता बांगड़ जी को परिषद् परिवार की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं उनके उज्जवलभविष्य की मंगल कामनायें।

श्री संजय रुईया

भारत विकास परिषद् गंगापुर शाखा के सदस्य श्री संजय रूईया कोराना काल में क्षेत्र में एक रोल मॉडल के रूप में उभरकर सामने आए हैं। लॉकडाउन की अवधि में आपके द्वारा लगभग 45 दिन तक प्रतिदिन 300 से अधिक भोजन पैकेट जरूरतमंदों को सुबह-शाम घर-घर जाकर वितरित किए गए। क्षेत्र वासियों को कोरोना वायरस से बचाने के लिए 5000 से अधिक मास्क वितरण किए, गायों के लिए चारे की व्यवस्था की और मुक प्राणियों जैसे बंदर, कुत्ता इत्यादि के लिए भी रोटी की व्यवस्था की गई। प्रवासी मजदूरों को सहायता देने के लिए और आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। वर्तमान समय में चिकित्सालय ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी से जूझ रहे हैं, ऐसे समय में गंगापुर चिकित्सालय में आपके द्वारा 10 ऑक्सीजन सिलेंडर निशुल्क भेंट किए गए। आप गंगापुर में नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष भी हैं और कोरोना वायरस क्षेत्र में न फैले, इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन के बाद भी प्रशासन के साथ मिलकर 7 दिन तक स्वैच्छिक व्यापार बंद कर लॉकडाउन क्षेत्र

में रखा गया जिसके परिणाम स्वरूप गंगापुर क्षेत्र में कोरोना वायरस का प्रकोप ज्यादा नहीं फैला। आपके द्वारा कोरोना वायरस से पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक सहयोग भी किया जाता रहा है। आप सदैव मानव सेवा और सहयोग की भावना को सर्वोपरि रख कर जनहित में कार्य करते हैं। आपके सेवा के इस जज्बे को भारत विकास परिषद् नमन करता है और उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता है।

श्री देवराज सुरतानिया

रक्तदान शिविर में रक्तदान करवाना बड़ी बात नहीं है, पर रक्तदान को लेकर लोगों को जागरूक करना वाकई एक बड़ी चुनौती है, इस चुनौती को समर्पण भाव से पुरा करने वाले कार्यकर्ता हैं श्री देवराज जी सुरतानिया। आप भारत विकास परिषद् जहाजपुर शाखा के सदस्य हैं और वर्ष 2006 से परिषद् से जुड़े हुए हैं। देवराज जी ने भीलवाड़ा में रक्तदान के लिए जागृति लाने में अहम भूमिका निभाई है। आप दूसरों को रक्तदान के लिए तो प्रेरित करते ही हैं वरन् स्वयं ने भी कई बार रक्तदान कर मानव सेवा हेतु अद्भुत योगदान दियाहै।

क्यों ना खुद की एक पहचान बनायें, चलो रक्तदान करें और करवायें।

आपके अथक प्रयासों से अधिकतर नगर व ग्रामिण क्षेत्रों तथा राजस्थान मध्य प्रान्त के कई क्षेत्रों में भी रक्तदान शिविरों का आयोजन करने के लिए प्रेरित कर रक्त की कमी को पूरा किया है। विभिन्न व्हाट्स एप ग्रुपों के माध्यमों से प्राप्त रक्त की मांग को तुरंत पूरा करने के लिए ब्लड बैंक से आपका समन्वय एवं मांग की पूर्ति करने का तरीका अपने आप में अद्भुत है। रक्त की आवश्यकता चाहे किसी भी शहर या संस्था या व्यक्ति की हो उसको पूरा करने का प्रयास आपके द्वारा सदैव किया जाता है व रक्तदाताओं से संपर्क कर त्वरित रक्तदान करने हेतु आग्रह किया जाता है। कोरोना की विषम परिस्थितियों में भी आप की प्रेरणा से कई रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्लाज्मा दान की प्रेरणा हेतु प्रेरक के रूप में स्वयं प्लाज्मा दाता के साथ जयपुर जाकर उनका मनोबल बढ़ाते हैं। प्लाज्मा दान को बढ़ावा देने का संकल्प आपकी कार्य शैली में झलकता है। मानव सेवा के संकल्प से भारत विकास परिषद् जहाजपुर शाखा ही नहीं अपितु संपूर्ण परिषद् परिवार गौरवान्वित हुआ।

जिद्द करो की दुनिया बदल जाए।
जिद्द हो ऐसी जो गलत को सही कर जाए।।
जिद्द हो रेगिस्तान में नदिया बहने लगे, जिद्द हो बंजर भूमि भी हरी हो जाए।
जिद्द हो हर भूखे को खाना मिले, जिद्द हो ऐसी जो रोते को हंसा जाए।।
जिद्द हो हौंसला दो किसी की टूटती उम्मीदों को, हाथ दो किसी के थकते कदमों को,
जिद्द हो जो आंधी में दिया जला दे, जिद्द हो ऐसी जो रास्ते के लिए चट्टान हिला दे।।
जिद्द हो की सत्य ना छिपे कभी, जिद्द हो सत्याग्रह ना रुके कभी।।
जिद्द हो हर हार जीत में बदल जाए, जिद्द करो कठिन सरल हो जाए।।
जिद्द करो की अनेक एक हो जाए। जिद्द करो बद्दी नेक हो जाए।।
जिद्द हो जो वाली को वाल्मीकि कर दे, जिद्द हो जो अंधरे में रोशनी भर दे।।
हर बात सिर झुका कर मान लेना बुजदिली है।
कई बार जिद्द करना भी जरुरी है।।

चुनाव नियमावली

भाग-सी :-एओपी (शाखा) के पदाधिकारी:

1. संबद्धता विनियमों (Affiliation Regulations) के अनुसार और भारत विकास परिषद् द्वारा निर्धारित एओपी (शाखा) के लिए नियमों और विनियमों के नियम 8 के अनुसार, एओपी का सामान्य निकाय(General Body of AOP), अपने प्राथमिक सदस्यों से मिलकर, अपने सामान्य निकाय की बैठक(General Body meeting) में निम्नलिखित पदाधिकारियों का चुनाव करेगा। चुनाव कराने के उद्देश्य से सामान्य निकाय की बैठक विधिवत आहुत की जायेगी।

अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष

यदि एओपी (शाखा) को उचित लगे तो उपरोक्त पदाधिकारियों के अलावा उपाध्यक्ष का भी चुनाव कर सकते हैं। उपाध्यक्ष के रूप में तीन से अधिक व्यक्तियों का चुनाव नहीं कर सकते हैं। चुने गए उपाध्यक्षों को प्रांतीय परिषद में भागीदारी का कोई अधिकार नहीं होगा। यदि चुनाव का आयोजन से पहले दिसंबर के अंत तकएओपी (शाखा) की 150 से अधिक सदस्यता हो तो उनकी सदस्यता के आधार पर एओपी (शाखा) द्वारा अतिरिक्त प्रतिनिधियों के रूप में किसी एक या दो व्यक्तियों को नामित किया जा सकता है।

2. एक एओपी (शाखा) के पदाधिकारियों का कार्यकाल 1 अप्रैल से शुरू होने वाले चुनाव के तुरंत बाद एक साल का होगा। इस प्रकार, प्रत्येक वैकल्पिक वर्ष के बाद पदाधिकारियों का चुनाव होगा।

3. एओपी (शाखा) के पदाधिकारियों का चुनाव आम तौर पर उस वर्ष 31 मार्च तक आयोजित और पूरा किया जाएगा जिसमें पदाधिकारियों के लिए एक वर्ष का कार्यकाल समाप्त हो जाता है। यह चुनाव के बाद 1 अप्रैल से नव निर्वाचित पदाधिकारियों को कार्यभार संभालने में सक्षम बनाने के लिए है।

4. प्रांतीय कार्यकारी समिति प्रांतीय संगठन मंत्री या अपनी कार्यकारी समिति के किसी भी अन्य सदस्य को प्रांत के भौगोलिक क्षेत्र के भीतर संचालित एओपी द्वारा पदाधिकारियों के चुनावों की देखरेख/पर्यवेक्षण करने के लिए नामित करेगी। किसी भी ऐसे व्यक्ति को चुनावों की देखरेख/पर्यवेक्षक के रूप में नामित नहीं किया जाएगा जो स्वयं उस एओपी का सामान्य निकाय का सदस्य है जिसका चुनाव उसके द्वारा किया जा रहा है या उसकी देखरेख में किया जा रहा है।

5. सभी प्राथमिक सदस्य जिन्होंने अपनी सदस्यता शुल्क का भुगतान उस वर्ष के लिए किया है, जिसमें वर्ष के समापन से कम से कम तीन महीने पहले (दिसंबर तक) चुनाव होंगे, वे चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र होंगे और एओपी के पदाधिकारियों का चुनाव करने के लिए मतदान करेंगे।

6. एक व्यक्ति के पास एक पद के लिए एक वोट होगा। एसोसिएट सदस्य को वोट देने का कोई अधिकार नहीं होगा।

7. एओपी के सचिव/संगठन मंत्री, जो परिषद के एक संबद्ध सदस्य हैं, अपने सभी प्राथमिक सदस्यों की सूची तैयार करेंगे, जिन्होंने एओपी की सदस्यता शुल्क का भुगतानान किया है और जो एसोसिएशन के जनरल बॉडी की बैठक में चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र हैं। एओपी के अध्यक्ष पात्र सदस्यों की सूची का सत्यापन करेंगे और चुनाव पर विचार किये जाने वाली प्रस्तावित जनरल बॉडी मीटिंग की तारीख से कम से कम 1 महीने पहले प्रांतीय कार्यकारी समिति द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक को प्रदान करेंगे।

8. एओपी (शाखा) की कार्यकारी संस्था(Executive Body) अपने पदाधिकारियों के चुनाव कराने के उद्देश्य से एओपी (शाखा) की आम सभा की बैठक का दिन, तारीख और समय तय करेगी। एओपीके सचिव बैठक की तारीख से कम से कम 15 दिन पहले सामान्य निकाय बैठक(General Body meeting)का नोटिस भेजेंगे।

9. चुनाव पर्यवेक्षक एओपी की आम सभा में उपस्थित रहेंगे जहाँ पदाधिकारियों का चुनाव होना प्रस्तावित है और यह सुनिश्चित करेंगें कि चुनाव एसोसिएशन के विधान और/या परिषद के नियमों और विनियमों के अनुसार न्यायपूर्ण तरीके से आयोजित किए जाये। ऐसे मामलों में जहां अपरिहार्य कारणों से, प्रांतीय कार्यकारिणी समिति द्वारा नामित चुनाव पर्यवेक्षक बैठक में शामिल नहीं हो पाते हैं या अनुपस्थित रहते हैं तो एओपी के अध्यक्ष इस आयोजन हेतु संगठन मंत्री को नामित करेंगे और उनकी अनुपस्थिति में अन्य सदस्य को चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नामित करेंगे।

10. चुनाव पर्यवेक्षक को उस बैठक में मतदान करने का कोई अधिकार नहीं होगा जहां चुनाव कराने के लिए वह जिम्मेदार है।

11. चुनाव पर्यवेक्षक विभिन्न पदों के लिए नामांकन एकत्र/आमंत्रित करेगा। यदि किसी पद के लिए ऐसा कोई नामांकन प्राप्त नहीं होता है, तो चुनाव पर्यवेक्षक इस तरह के नामांकन को बैठक में आमंत्रित करेंगे। नामांकन तभी मान्य होगा जब नामांकन उसकी स्वीकृति के रूप में नामित व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाए और प्रस्तावकों के रूप में कम से कम दो सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाए। सदस्यों के विचार के लिए बैठक से पहले वैध नामांकन रखा जाएगा।

12. एक व्यक्ति जो एक एओपी (शाखा) का प्राथमिक सदस्य रहा है, जो परिषद से जुड़ा हुआ है और प्रांत के भौगोलिक क्षेत्र में काम कर रहा है, वह एसोसिएशन के पदाधिकारी के रूप में चुने जाने का हकदार होगा।

13. किसी भी पद के लिए चुनाव की मांग करने वाले उम्मीदवार को बैठक में उपस्थित होना चाहिए।

14. प्रत्येक पद के लिए नामांकन बैठक में उपस्थित कम से कम दो सदस्यों द्वारा प्रस्तावित किया जाएगा और प्रस्तावित पद के लिए चुने जाने वाले उम्मीदवार के लिए अपनी इच्छा व्यक्त करेंगे। प्रस्ताव एक सदस्य द्वारा एक पद व एक ही उम्मीदवार के लिए होगा।

15. चुनाव पर्यवेक्षक सर्वसम्मति की स्वीकृति के लिए प्रयास करेंगे। हालाँकि, अपरिहार्य मतभेदों के कारण किसी एक उम्मीदवार के लिए सर्वसम्मति से अनुमोदन नहीं होता है या एक पद के लिए एक से अधिक नामांकन होता है, तो रिटर्निंग अधिकारी, नामांकन समाप्त होने के बाद, सदस्यों के अनुमोदन का प्रस्ताव हाथ खड़े करके दिखाएगा। गुप्त मतदान द्वारा चुनाव को टाला जाना चाहिए।

16. सामान्य निकाय (General Body of AOP) के मतों का पता लगाने के बाद, पक्ष और उसके खिलाफ, चुनाव अधिकारी/पर्यवेक्षक उस व्यक्ति के नाम की घोषणा करेगा, जिसने बहुमत से पद के लिए निर्वाचित हुए और ऐसी घोषणा को अंतिम माना जाएगा और उस व्यक्ति को चुनाव अधिकारी/पर्यवेक्षक द्वारा निर्वाचित घोषित किया गया है।

शाखा दायित्वधारी सत्र 2019-21

सत्र 2019-20 एवं 2020-21 में सम्पादित सेवा एवं संस्कार के समस्त कार्यों में समर्पण भाव से सहयोग देने हेतु हार्दिक आभार।

क्र.	शाखा	अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष
		जिला-भीलवाड़ा		
1	विवेकानन्द भीलवाड़ा	श्री बलवन्त राय लढ्ढा	श्री राजकुमार मेलाना	श्री बालमुकुन्द ड़ाड
2	प्रताप भीलवाड़ा	श्री दलपत सिंह राठौड़	श्री हरि प्रसाद राठी	श्री प्रमोद कुमार राठी
3	आजाद भीलवाड़ा	श्री अमित सोनी	श्री कुलदीप माथुर	श्री रामपाल सोमाणी
4	नेताजी सुभाश भीलवाड़ा	श्री दिनेश शारदा	श्री दिलीप पारख	श्री गोपाल नाराणीवाल
5	माण्ड़ल	श्री विनोद कुमार सोनी	श्री उदय शंकर सोनी	श्री कृष्ण गोपाल सेन
6	बनेड़ा	श्री दशरथ कुमार अग्रवाल	श्री महेश कुमार शर्मा	श्री रतन लाल छीपा
7	गंगापुर	श्री दिनेश श्रोत्रिय	श्री अरविन्द चौधरी	श्री रामनारायण वैष्णव
8	बदनोर	श्री विमल कुमार रांका	श्री कैलाश चन्द टेलर	श्री कन्हैया लाल रेगर
9	गुलाबपुरा	श्री महावीर सोनी	श्री सुधीर कुमार पारीख	श्री सम्पत कुमार व्यास
10	फूलिया कलां	श्री राजेन्द्र सिंह गोखरू	श्री अशोक कुमार टेलर	श्री सौरभ कुमार हेड़ा
11	जहाजपुर	श्री संजय बम्ब	श्री रितेश कुमार कांटियॉ	श्री अमित बंसल
12	शाहपुरा	श्री हरीश चन्द्र शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार मून्दड़ा	श्री भैरूलाल जैन
13	आसीन्द	श्री कैलाश चन्द्र तोषनीवाल	श्री सुरेश चन्द्र पारीक	श्री ओम प्रकाश शर्मा
14	रायपुर	श्री अखिलेश बोल्या	श्री रमेश चन्द्र वैष्णव	श्री कमलेश मुँदड़ा
15	शिवाजी भीलवाड़ा	श्री सुमित जागेटिया	श्री नरेन्द्र कुमार पाटोदिया	श्री सतिश सोड़ानी
16	भोजरास	श्री दुर्गा प्रासद मालपानी	श्री भंवर लाल टेलर	श्री नारायण गुर्जर
		जिला-अजमेर		
17	अजमेर मुख्य	श्री अशोक कुमार गोयल	श्री जीतमल चौहान	श्री राजेश कुमार अग्रवाल
18	अजमेर युवा	श्री तरूण मीनावत	श्री अनुज गर्ग	श्री राकेश गोयल
19	आदर्श अजमेर	श्री दिलीप कुमार दूबे	श्री राधेश्याम वर्मा	श्री ज्योति प्रकाश शर्मा
20	ब्यावर	श्री राजेन्द्र काबरा	श्री प्रशान्त पाबूवाल	श्री सतीश सर्राफ
21	जालिया द्वितीय	श्री सुनिल कोठारी	श्री सांवर लाल व्यास	श्री रमेश चन्द्र भोजवानी
22	बिजयनगर	श्री विनोद नाहर	श्री सत्यनारायण जोशी	श्री ज्ञान चन्द नाहर
23	किशनगढ़ मुख्य	श्री ओमप्रकाश मैनावत	श्री महेन्द्र मित्तल	श्री गौतम कोचेटा
24	स्वामी विवेकानन्द किशनगढ़	श्री अनुराग व्यास	श्री मनीष कुमार सक्सेना	श्री घनश्याम मून्दड़ा
25	बांदनवाड़ा	श्री प्रिन्स लोढ़ा	श्री त्रिलोक जांगीड़	श्री अशोक टेलर
26	रूपनगढ़	श्री सुशील लखोटिया	श्री संजय खण्डेलवाल	श्री रामचरण जाट
27	अंराई	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	श्री मुकेश कलवार	श्री अविनाश दाधीच
28	भिनाय	श्री शिवजी कलावर मेवाड़ा	श्री मानसिंह राठौड़	श्री अविनाश शर्मा
29	केकड़ी	श्री किशन प्रकाश सोनी	श्री बहादुर सिंह शक्तावत	श्री राजेश कुमार शर्मा
30	नसीराबाद	श्री अमित चोकड़ीवाल	श्री रवी सोनी	श्री प्रदीप मित्तल
31	सरवाड़	श्री मयंक मेवाड़ा	श्री प्रदीप कुमार ककड़	श्री संजय कुमार जैन
32	सिघावल	श्री रघुनाथ गुर्जर	श्री दुर्गेश सिंह राठौड	श्री दुर्गा लाल टेलर
33	पुष्कर	श्री कमल अग्रवाल	श्री मोहित पाराशर	श्री अमित बंसल
34	अजयमेरू	श्री हरीश पालीवाल	श्री हनुमान गर्ग	श्री राजेंद्र मंगल
		जिला-राजसमंद		
35	राजसमन्द	श्री संजय सामसुखा	श्री भूपेन्द्र चोरड़िया	श्री दीपक कांकरिया
36	श्रीनाथद्वारा	श्री अशोक वैष्णव	श्री योगेश श्रीमाली	श्री कमलकांत कनेरिया
37	आमेट	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	श्री विनोद शर्मा	श्री दिनेश सरणोत
38	देवगढ़	श्री नरेन्द्र कुमार सोनी	श्री अनन्त प्रकाश पालीवाल	श्री सुभाष कुमार अग्रवाल
39	कुँवारिया	श्री राम प्रकाश सोमानी	श्री भेरू लाल तातेड़	श्री गणपत सोलंकी

प्रान्तीय कार्यकारिणी सत्र 2019-21

प्रान्तीय संरक्षक–श्री कमल किशोर जी व्यास, श्री मुकुट बिहारी जी मालपानी

क्र.सं.	दायित्व	नाम
1	प्रान्तीय उपाध्यक्ष–सेवा	श्री रामेश्वर जी काबरा
2	प्रान्तीय उपाध्यक्ष–संस्कार	श्री पारसमल जी बोहरा
3	प्रान्तीय उपाध्यक्ष–सम्पर्क	श्री रतनलाल जी नाहर
4	प्रान्तीय महिलाप्रमुख	श्रीमति गुणमाला जी अग्रवाल
5	संगठनमंत्री	श्री सुभाष जी जैन
6	संयुक्तमहासचिव–भीलवाड़ा	श्री अरूण जी पारिक
7	संयुक्तमहासचिव–अजमेर	श्री गोविन्दजी अग्रवाल
8	सह–संगठनमंत्री –अजमेर	डॉ. सुरेशचन्द्र जी गाबा
9	सह–संगठनमंत्री –राजसमन्द	श्री मनोज जी पारिक
10	सह–संगठनमंत्री–भीलवाड़ा व भारत को जानो–संयोजक	श्री मुकेश जी लाठी
11	भारत को जानो–सह–संयोजक	श्री हरिश जी बैरी
12	रा.स.स. व लोकगीतसंयोजक	श्री दिलीप जी पारिक
13	रा.स.स. व लोकगीतसह–संयोजक	श्री अरूण जी बाहेती
14	गुरू वन्दनछात्र अभिनन्दन	श्री महेन्द्र कुमार जी रांका
15	गुरू वन्दनछात्र अभिनन्दन–सह–संयोजक	श्री शिवदयाल जी अरोडा़
16	संस्कृतीसप्ताह–संयोजिका	श्रीमति अमृता जी उपाध्याय
17	संस्कृतीसप्ताह–सह–संयोजिका	श्रीमति अर्पिता जी गोयल
18	महिलाजागरूकतासंयोजिका	डॉ. कमला जी गोखरू
19	महिलाजागरूकतासह–संयोजिका	श्रीमति प्रतिभा जी कोठारी
20	अभिरूचीशिविर व बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ–संयोजिका	श्रीमति भारती जी मोदानी
22	सामुहिक सरल विवाह–संयोजक	श्री श्याम जी दरगड़
23	सामुहिक सरल विवाह–सह–संयोजक	श्री ओम जी जागेटिया
24	रक्तदान–नेत्रदान–देहदान	श्री देवराज जी सुरतानिया
25	रक्तदान–नेत्रदान–देहदान–सह–संयोजक	श्री अनुपम जी रतावा
26	पर्यावरण व जल संरक्षण	श्री पवन कुमार जी बांगड़
27	युवा एवंबालसंस्कार–संयोजक	श्री राजेश जी सोनी
28	स्वच्छता अभियान–संयोजक	श्री रामकिशोर जी बाहेती
29	स्वास्थ्य परिक्रमा व योग शिविर	श्री रमेशचन्द्र जी शर्मा
30	नि:शक्त:जन/वनवासी सहायता	श्री ओमप्रकाश जी लढ्ढ़ा
31	नव–संवतसर व नशामुक्ति–संयोजक	श्री लादूलाल जी जागेटिया
32	ग्राम बस्ती व सड़क सुरक्षा	श्री विरेन्द्र सिंह जी राठौड़
33	एक शाखा–एक गाँव संयोजक व शाखा विस्तार–भीलवाड़ा	श्री किशोर जी राजपाल
34	एक शाखा–एक गाँव संयोजक व शाखा विस्तार–अजमेर	श्री आलोक जी गुप्ता
35	एक शाखा–एक गाँव संयोजक व शाखा विस्तार–राजसमन्द	श्री ओमप्रकाश जी मंत्री
36	स्थाई प्रकल्प–भीलवाड़ा	श्री श्याम जी कुमावत
37	स्थाई प्रकल्प–अजमेर	श्री राजकुमार जी बांगड
38	स्थाई प्रकल्प–राजसमन्द	श्री मदनलाल जी पुरोहित
39	जिला अध्यक्ष –भीलवाड़ा	श्री किशोर जी गौत्तम
40	जिला सचिव–भीलवाड़ा	सीए शिवम जी प्रहालादका
41	शहर समन्वयक–भीलवाड़ा	श्री गोविन्द जी राठी
42	जिला अध्यक्ष–अजमेर	श्री विजय जी शर्मा
43	जिला सचिव–अजमेर	श्री श्याम सुन्दर जी चौधरी
44	शहर समन्वयक–अजमेर	श्री रामचन्द्र जी शर्मा
45	जिला अध्यक्ष–राजसमन्द	श्री जय प्रकाश जी मंत्री
46	जिला सचिव–राजसमन्द	श्रीमति लता जी मादरेजा

हार्दिक आभार – कैलाश अजमेरा (प्रान्तीय अध्यक्ष), सीए संदीप बाल्दी (प्रान्तीय महासचिव), सुधीर व्यास (प्रान्तीय कोषाध्यक्ष)

प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता

गुरुवन्दन छात्र अभिनन्दन

कोरोना जागरूकता अभियान

प्लाजमा दान

रक्तदान

कार्यकर्ता सूचि प्रदान

कम्बल वितरण